NNI
हर खबर पर पक्की नजर
पत्रकारिता
हमारा धर्म
निष्पक्षता
हमारी पहचान

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

न्यूज नेक्स्ट इण्डिया

सत्यता व निष्पक्षता का छठवां वर्ष
www.nnindianews.com

वर्ष : 05, अंक-156, पृष्ठ : 12 मंगलवार, 04 अगस्त, 2026, मूल्य-03 रूपये मात्र

आगरा कैंट पर गूंजी किलकारी, महिला ने बेटे को दिया जन्म

आगरा। साबरमती-आगरा एक्सप्रेस में सफर कर रही 22 वर्षीय महिला को प्रसव पीड़ा होने पर रेल मदद से तत्काल सहायता मिली। आगरा मंडल के जनसंपर्क अधिकारी संजय कुमार गौतम ने बताया कि सोमवार को गाड़ी संख्या 12548 में साबरमती से आगरा के बीच यात्रा कर रही महिला के लिए सुबह 6:24 बजे रेल मदद मांगी। बर्थ संख्या 36, 37 और 38 पर परिवार के साथ यात्रा कर रही महिला को टिकट जांच कर्मचारी ने सहायता दी। आगरा कैंट पर मेडिकल टीम तैयार रखी गई। सुबह सात बजे ट्रेन प्लेटफॉर्म नंबर पांच पर पहुंची। डॉ. अवंतिका सिन्हा ने महिला को अटेंड किया। महिला ने बेटे को जन्म दिया। जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ हैं

आगरा में हादसा: बारिश के चलते गिरा दुकान का छज्जा, चपेट में आया युवक हो गया घायल

आगरा। आगरा में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के चलते थाना एत्माद्दौला क्षेत्र के ट्रांस यमुना कॉलोनी फेस- द्वितीय में सुबह-सुबह हादसा हो गया। यहां स्थित रूप सिंह हलवाई की दुकान का छज्जा गिर गया। इस दौरान वहां मौजूद एक युवक चपेट में आकर घायल हो गया। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दिल्ली में सुरक्षित उतरा विमान, यात्रियों को मामूली चोटें आई

नई दिल्ली। एअर इंडिया की मंगलवार को फुकेत (थाईलैंड) से दिल्ली आ रही उड़ान एआई2379 को कुछ समय के लिए तेज हवा के झटकों (टबुर्लेंस) का सामना करना पड़ा। इस दौरान विमान की ऊंचाई में थोड़े समय के लिए बदलाव हुआ। एयरलाइन के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। एयरलाइन के प्रवक्ता के अनुसार, विमान दिल्ली में सुरक्षित उतर गया। सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित विमान से बाहर निकल गए। एअर इंडिया ने कहा कि फिलहाल किसी के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं है। प्रवक्ता ने बताया कि कुछ यात्रियों और चालक दल के कुछ सदस्यों को मामूली चोटें आई हैं। एहतियात के तौर पर उन्हें मेडिकल जांच और इलाज के लिए हवाई अड्डे के चिकित्सा केंद्र ले जाया गया है। एअर इंडिया की हवाई अड्डे की टीम और मेडिकल कर्मचारी उनकी देखभाल कर रहे हैं। एअर इंडिया ने कहा कि यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा और उनका स्वास्थ्य हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। प्रभावित लोगों को हर जरूरी मदद दी जा रही है। साथ ही इस मामले की जांच में संबंधित अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग किया जा रहा है।

यूपी में ट्रिपल मर्डर

मूकबधिर दंपती समेत तीन का कत्ल, किराये के घर में मिले शव

प्रयागराज। प्रयागराज के शाहगंज थाना इलाके में मंगलवार को एक किराये के मकान में तीन लोगों की हत्या कर दी गई। मृतकों में पति-पत्नी समेत दो महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, तीनों मूकबधिर थे और उसी मकान में रहते थे। इस तिहरे हत्याकांड से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस की शुरूआती जांच में पुरुष के शरीर पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं। हालांकि, दोनों महिलाओं के शरीर पर कोई बाहरी चोट के निशान नहीं पाए गए हैं। घटनास्थल से पुलिस को शराब की बोतलें भी बरामद हुई हैं। प्रथम दृष्टया आशंका जताई जा रही है कि यह वारदात किसी विवाद या लड़ाई-झगड़े के बाद हुई है। घटना की सूचना मिलते ही शाहगंज और खुल्दाबाद समेत कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस अब मृतकों की पहचान और हत्या के वास्तविक कारणों का पता लगाने में जुटी है। सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली रवि गुप्ता ने इस मामले पर जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं से घटना की गहन जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक साक्ष्य महत्वपूर्ण होंगे। इन तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। जांच पूरी होने के बाद ही इस घटना के संबंध में कुछ स्पष्ट कहा जा सकेगा। जिस किराये के मकान में यह वारदात हुई, वहां का माहौल तनावपूर्ण है। पुलिस ने पूरे इलाके को सील कर दिया है। स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर भय और आक्रोश है। पुलिस टीम लगातार पूछताछ कर रही है ताकि कोई सुराग मिल सके।

बच्चे कर रहे मौत से मुकाबला!

विदिशा में स्टॉपडैम लांघकर स्कूल जाते हैं बच्चे

विदिशा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के संसदीय क्षेत्र विदिशा से सामने आया एक वीडियो सरकार के विकसित भारत और विकसित मध्यप्रदेश के दावों पर सवाल खड़ा कर रहा है। वीडियो में जिले के चार गांवों के स्कूली बच्चे नदी पर बने स्टॉपडैम को लांघकर स्कूल जाते दिख रहे हैं। कहीं पैर फिसला तो सीधे गहरे पानी में गिर सकते हैं। जान जोखिम में डालकर स्कूल तक का सफर तय करते हैं। मिली जानकारी के अनुसार, जिला मुख्यालय से लगे बंधेरा, ककरुआ, इमलिया और बेहलोट गांवों के बच्चे हाईस्कूल की पढ़ाई के लिए रोज पलोह जाते हैं। नदी पर बने स्टॉपडैम से होकर दूरी महज पांच किलोमीटर है। लेकिन अगर सड़क मार्ग से जाएं तो एक तरफ 15 किमी, आने-जाने में 30 किमी का सफर करना पड़ेगा। गांव वाले बताते हैं कि आर्थिक तंगी के चलते रोज वाहन की सुविधा संभव नहीं। नतीजा, बच्चे जान जोखिम में डालकर रोज उसी स्टॉपडैम को रास्ता बना लेते हैं। स्टॉपडैम के बीच चार फीट का गैप है, जिसे बच्चे छलांग लगाकर पार करते हैं। नीचे तेज बहाव। जरा सी चूक और हादसा तय। स्थानीय लोगों का कहना है कि डर के कारण कई बच्चों ने 8वीं के बाद पढ़ाई ही छोड़ दी। अभिभावक भेजना चाहते हैं, पर रास्ते की दहशत उन्हें रोक लेती है। बीते दिनों मीडिया में खबर आने के बाद प्रशासन हरकत में आया। विदिशा एसडीएम क्षितिज शर्मा तहसीलदार और अन्य अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे। स्थिति देखकर उन्होंने माना कि बच्चों की जान खतरे में है।

सुरक्षा के नाम पर प्रशासन ने स्टॉपडैम के रास्ते पर कटीली झाड़ियां और तार लगाकर आवाजाही रोक दी। इसका असर यह हुआ कि शनिवार को पलोह स्कूल कई बच्चे नहीं पहुंच सके। ग्रामीणों की दो ही मांग है। पहला, बंधेरा के स्कूल को हाईस्कूल में अपग्रेड किया जाए ताकि बच्चों को दूर न जाना पड़े। दूसरा, इसी स्टॉपडैम की जगह एक पक्का पुल बना दिया जाए। एसडीएम ने आश्वासन दिया है कि मामले को गंभीरता से लिया गया है। स्कूल अपग्रेडेशन और वैकल्पिक मार्ग के विकल्पों पर विचार चल रहा है।